मानूसन जल भंडारण

हालिया संदर्भ :

- दक्षिण-पश्चिम मानसून इस वर्ष में 2 जुलाई तक पूरे देश में छा गया, जिसके बाद अधिकांश भौगोलिक क्षेत्रों में स्थिर या निरंतर वर्षा हुई है।
- 12 सितम्बर तक देश में 83.67 cm वर्षा हुई है, जो इस मानूसन के लिये 8% ज्यादा है।

जलाशय (Reservoir) की स्थिति :

- केन्द्रीय जल आयोग (CWC) के नवीनतम जलाशय और नदी बेसिन डेटा से पता चलता है कि अखिल भारतीय स्तर पर समग्र भंडारण स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है।
- देश भर में स्थित कुल 155 जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 180.852 बिलियन क्यूबिक मीटर (BCM) है, जबकि वर्तमान मौसम में भंडारण 153.757 BCM है, जो कुल क्षमता का लगभग 85% है।
- पिछले वर्ष इसी समय यह स्टॉक 119.451 BCM था, जबकि पिछले 10 वर्ष का औसत भंडारण 130.594 BCM है।
- कुल 155 जलाशयों में से 141 में वर्तमान भंडारण कुल क्षमता का 80% से ज्यादा है, जबकि केवल 5 में यह 50% से कम है।

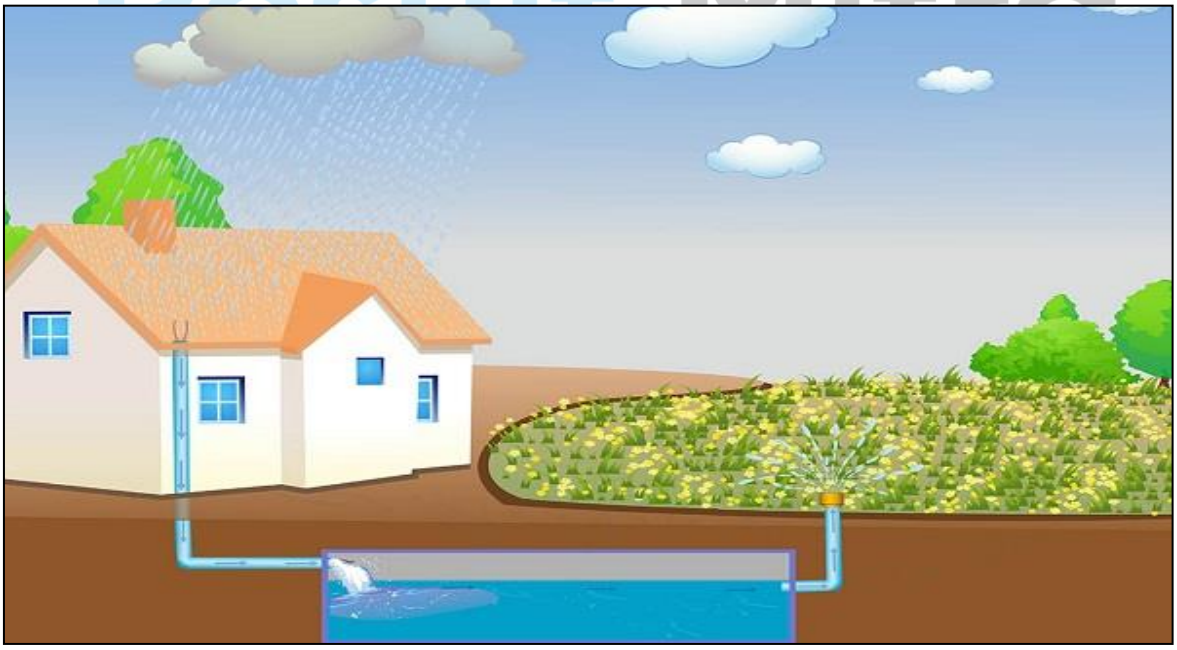

क्षेत्रवार स्थिति :

उत्तर भारत :

- हिमाचल प्रदेश, पंजाब एवं राजस्थान के 11 जलाशयों में कुल संग्रहण 19.836 BCM
- हिमाचल और पंजाब में इस मानसून अब तक क्रमशः 536 mm एवं 304.5 mm वर्षा दर्ज की गई है, जो पिछले सामान्य मानसून की तुलना में क्रमशः 21% एवं 24% कम है।

पूर्वी भारत :

- असम, बिहार, झारखंड, ओडिशा, त्रिपुरा, नागालैंड एवं पश्चिम बंगाल में CWC द्वारा निगरानी वाले 25 जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 20.798 BCM है, जिसमें से लगभग 76% भंडारण पूर्ण हो चुका है।
- नागालैंड एवं बिहार में बारिश में 28% की गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन अन्य राज्यों में बेहतर बारिश से समग्र स्थिति बेहतर बनी हुई है।

पश्चिमी भारत :

- गुजरात, महाराष्ट्र एवं गोवा में CWC के निगरानी में 50 जलाशय है, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 37.357 BCM है।
- नवीनतम डेटा के अनुसार, इन जलाशयों में वर्तमान भंडारण कुल क्षमता के 90% (33.526 BCM) के बराबर है।
- जल संरक्षण में प्रचूरता का कारण गुजरात एवं महाराष्ट्र में अच्छी बारिश है।
- गुजरात ने भारी बाढ का सामना किया है, जबकि सूखे क्षेत्र कच्छ में भी भारी बारिश हुई है।

मध्य भारत :

- मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश में कुल 26 जलाशय है, जिनकी कुल जल भंडारण क्षमता 48.227 BCM है।
- वर्तमान तक इन जलाशयों में कुल भंडारण 42.808 BCM है, जो पिछले वर्ष के साथ-साथ 10 वर्ष के औसत भंडारण से 15% ज्यादा है।
- जून में मानसून के आगमन के बाद से इस क्षेत्र में सामान्य या ज्यादा बारिश हुई है।

दक्षिणी भारत :

- कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु एवं आंध्रप्रदेश में मौजूद 43 जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता 54.634 BCM है, जबकि वर्तमान तक 48.158 BCM (लगभग 88%) जल संग्रहित हो चुका है।

Result Mitra TM

- तमिलनाडु एवं आंध्रप्रदेश (जहाँ दक्षिण-पश्चिम मानसून से ज्यादा बारिश नहीं होती है) में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है, साथ ही कर्नाटक् के मृत प्राय जलाशय भी इष्टतम स्तर तक जल संग्रहित कर चुके हैं।

2023 से तुलना :

- बेहतर स्थित वाले राज्य :- झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, राजस्थान, नागालैंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु एवं केरल।
- अपरिवर्तित स्थिति वाले राज्य :- गोवा एवं तेलंगाना
- बदतर स्थिति वाले राज्य :- पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड

नदी बेसिन की स्थिति :

- सभी प्रमुख नदी बेसिन में सामान्य या अधिक जल भंडारण है।
- बराक नदी बेसिन में 98.72% जल भंडारण हो चुका है, जो सर्वाधिक है, जबकि ब्रह्मपुत्र 66.93% भंडारण के साथ सबसे नीचे है।
- कृष्णा में 94.53%, कावेरी में 93.54%, नर्मदा में 92.19%, गोदावरी में 91.85%, ताप्ती में 85.96%, गंगा में 83.29%, महानदी में 83.48% एवं माही में 83.91% जल भंडारण हो चुका है।

केन्द्रीय जल आयोग :

- जल शक्ति मंत्रालय के अधीन संस्था,
- 1945 में स्थापना,
- 14 विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालय,
- जल-संसाधन के बेहतर प्रबंधन के लिये जिम्मेदार
- HQ-नई दिल्ली

Result Mitra